

विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय
कक्षा - षष्ठ
विषय -हिन्दी

दिनांक -27 - 02 - 2021
विषय शिक्षक -पंकज कुमार

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज अपठित गद्यांश

के बारे में अध्ययन करेंगे।

अपठित' शब्द का अभिप्राय है- जो पहले पढ़ा न गया हो। अपठित गद्यांश पाठ्यपुस्तकों से नहीं दिए जाते। ये ऐसे गद्यांश होते हैं जिन्हें छात्रों ने कभी नहीं पढ़ा होता। इस प्रकार के गद्यांश देकर विद्यार्थियों से उन पर आधारित प्रश्न पूछे जाते हैं। अपठित गद्यांशों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए।

- दिए गए गद्यांश को कम से कम दो तीन बार अवश्य पढ़ ले।
- पूछे गए प्रश्नों के उत्तरों को रेखांकित कर लें।
- प्रश्नों के उत्तर, पूरी तरह समझकर सरल भाषा में लिखें।
- भाषा व्याकरण सम्मत होनी चाहिए।
- उत्तर गद्यांश या काव्यांश से होना चाहिए। उसमें अपने विचार समाहित कर उत्तर नहीं देना चाहिए।
- सभी उत्तर देने के बाद उन्हें एक बार अवश्य पढ़ लें।

उदाहरण (उत्तर सहित)

1. एक जंगल में परिजात का एक पेड़ था। परिजात का कोई मुकाबला नहीं था। उसकी सुंदरता बेजोड़ थी। उसका रंग-रूप निराला था। परिजात को भी अपने गुणों का पूरा-पूरा पता था। नीले आसमान में सिर उठाए इस शान से खड़ा रहता, मानों पेड़ों का सरताज हो। जब बहार के दिन आते तो परिजात अनगिनत नन्हें-नन्हें फूलों से लद जाता, लगता मानों किसी ने आकाश से सारे तारे तोड़कर परिजात की शाखाओं पर टाँक दिए हो। नन्हें फूलों से झिलमिलाता परिजात जब सुगंध भरी पराग जंगल में बिखेरता तो जंगल नंदन बन जाता। चुंबक की तरह परिजात सबको अपनी तरफ खींचता, जिसे देखो, वही परिजात की तरफ भागता । सतरंगी शालें ओढ़े

चटकीली तितलियाँ सहेलियों के साथ झुंड का झुंड बनाकर परिजात का श्रृंगार देखने आतीं तथा जाते-जाते फूलों को खींचकर ढेरों पराग अपने साथ ले जातीं।

प्रश्न

(क) जंगल में किसका पेड़ था?

- (i) नीम
- (ii) परिजात
- (iii) पीपल
- (iv) आम

ख) परिजात अपने आप को स्वयं क्या समझता था?

- (i) पेड़ों का सरताज
- (ii) पेड़ों का दास
- (iii) ईश्वर
- (iv) इनमें से कोई नहीं

(ग) वह अनगिनत फूलों से कब लद जाता था?

- (i) बहार में
- (ii) पतझड़ में
- (iii) वर्षा में
- (iv) सरदी में

घ) तितलियाँ क्या करती थीं?

- (i) उसके फूलों का पराग ले जाती थीं
- (ii) फूल ले जाती थीं
- (iii) डालों पर गाना गाती थीं
- (iv) कुछ नहीं करती थीं

(ङ) इस गद्यांश का शीर्षक है

- (i) परिजात एक वृक्ष
- (ii) परिजात पेड़ों का सरताज

- (iii) परिजात जंगल का राजा
(iv) इनमें से कोई नहीं

उत्तर-

- (क) (ii)
(ख) (i)
(ग) (i)
(घ) (i)
(ङ) (ii)